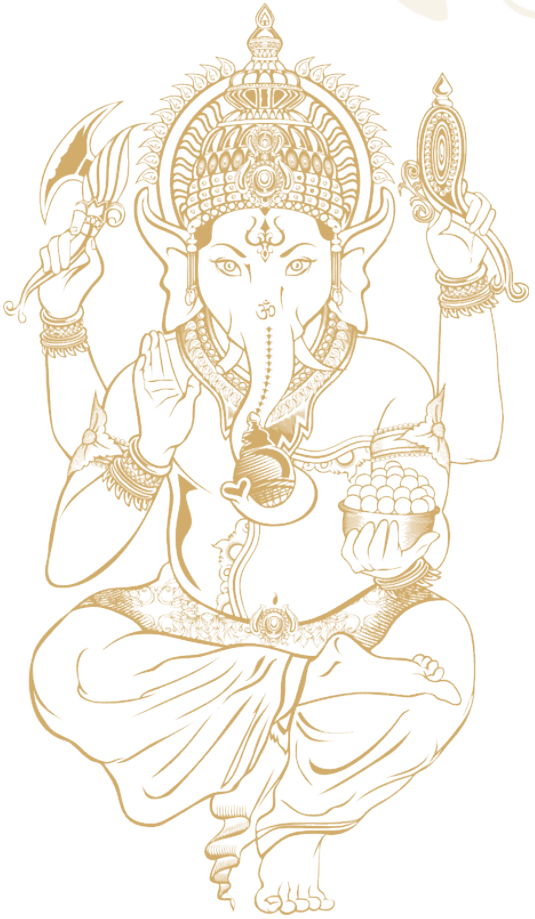

Ardhya

01 Apr 2013

12:30 AM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121654304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/04/2013**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	45:30:23 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:02:04 घंटे
वेलान्तर	-00:04:09 घंटे
साम्पातिक काल	12:39:18 घंटे
सूर्योदय	06:17:50 घंटे
सूर्यास्त	18:46:54 घंटे
दिनमान	12:29:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:10:23 मीन
लग्न के अंश	00:25:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:25:19	322:21:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			मीन	17:10:23	00:59:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	15:22:48	14:19:25	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल		अ	मीन	21:01:20	00:45:55	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	19:23:11	00:59:18	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु			वृष	17:46:07	00:09:53	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मीन	17:57:24	01:14:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि	व		तुला	16:07:27	00:03:40	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			तुला	23:14:48	00:01:32	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	23:14:48	00:01:32	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	14:35:59	00:03:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	10:09:45	00:01:55	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:30:12	00:00:23	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	16:39:08	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:44

लग्न-चलित

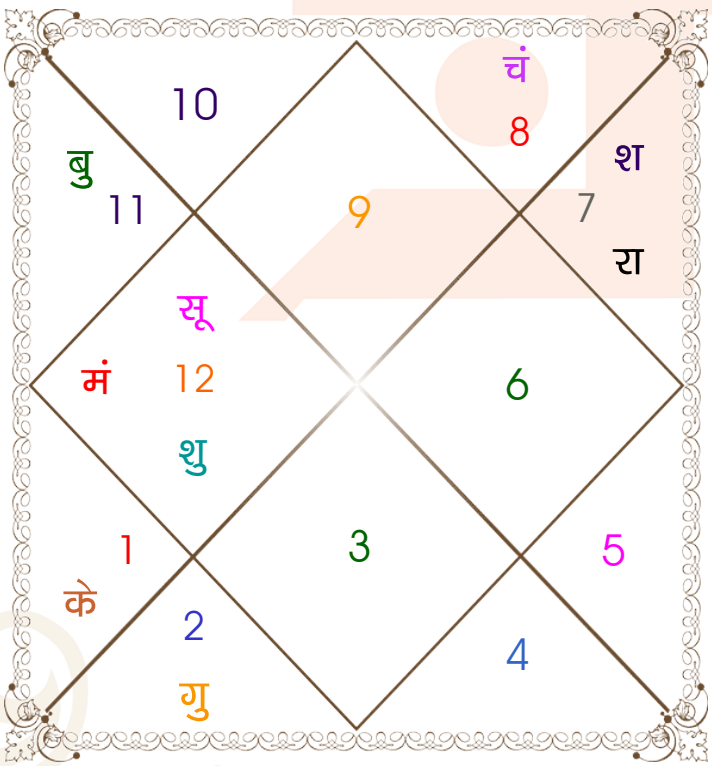

चन्द्र कुंडली

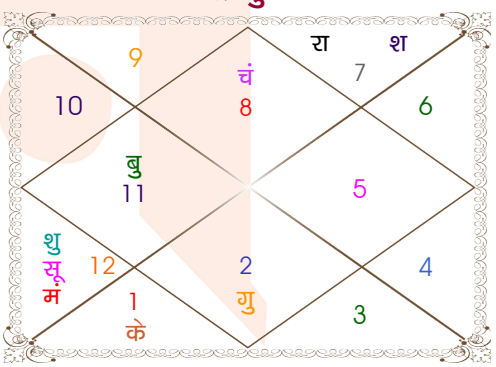

नवमांश कुंडली

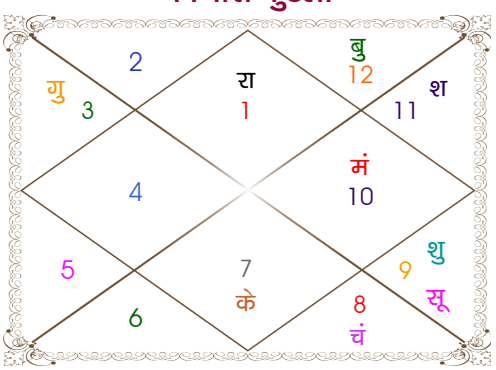

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 10 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/04/2013		30/01/2015		30/01/2032		30/01/2039		30/01/2059	
30/01/2015		30/01/2032		30/01/2039		30/01/2059		30/01/2065	
	00/00/0000	बुध	28/06/2017	केतु	28/06/2032	शुक्र	01/06/2042	सूर्य	20/05/2059
	00/00/0000	केतु	25/06/2018	शुक्र	28/08/2033	सूर्य	01/06/2043	चंद्र	18/11/2059
	00/00/0000	शुक्र	25/04/2021	सूर्य	03/01/2034	चंद्र	30/01/2045	मंगल	25/03/2060
	00/00/0000	सूर्य	01/03/2022	चंद्र	04/08/2034	मंगल	01/04/2046	राहु	17/02/2061
	00/00/0000	चंद्र	01/08/2023	मंगल	31/12/2034	राहु	01/04/2049	गुरु	06/12/2061
	00/00/0000	मंगल	28/07/2024	राहु	18/01/2036	गुरु	01/12/2051	शनि	18/11/2062
	00/00/0000	राहु	14/02/2027	गुरु	24/12/2036	शनि	30/01/2055	बुध	25/09/2063
	01/04/2013	गुरु	22/05/2029	शनि	02/02/2038	बुध	30/11/2057	केतु	30/01/2064
गुरु	30/01/2015	शनि	30/01/2032	बुध	30/01/2039	केतु	30/01/2059	शुक्र	30/01/2065

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/01/2065		30/01/2075		30/01/2082		30/01/2100		31/01/2116	
30/01/2075		30/01/2082		30/01/2100		31/01/2116		02/04/2133	
चंद्र	30/11/2065	मंगल	28/06/2075	राहु	12/10/2084	गुरु	21/03/2102	शनि	03/02/2119
मंगल	01/07/2066	राहु	16/07/2076	गुरु	08/03/2087	शनि	01/10/2104	बुध	13/10/2121
राहु	31/12/2067	गुरु	22/06/2077	शनि	12/01/2090	बुध	07/01/2107	केतु	22/11/2122
गुरु	01/05/2069	शनि	01/08/2078	बुध	31/07/2092	केतु	14/12/2107	शुक्र	22/01/2126
शनि	30/11/2070	बुध	29/07/2079	केतु	19/08/2093	शुक्र	14/08/2110	सूर्य	04/01/2127
बुध	01/05/2072	केतु	25/12/2079	शुक्र	18/08/2096	सूर्य	02/06/2111	चंद्र	04/08/2128
केतु	30/11/2072	शुक्र	23/02/2081	सूर्य	13/07/2097	चंद्र	01/10/2112	मंगल	13/09/2129
शुक्र	01/08/2074	सूर्य	01/07/2081	चंद्र	12/01/2099	मंगल	07/09/2113	राहु	20/07/2132
सूर्य	30/01/2075	चंद्र	30/01/2082	मंगल	30/01/2100	राहु	31/01/2116	गुरु	02/04/2133

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।